

टाटा मोटर्स ने ऑल्ट्रोज रेसर लॉन्च किया

मुख्यः भारत की अग्रणी ऑटोमोटिव निमित्ता, टाटा मोटर्स ने आज कंपनी की प्रीमियम हैचबैक में स्पोर्टी अवतार - ऑल्ट्रोज रेसर को लॉन्च किया है। 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन की पेशकश के साथ ऑल्ट्रोज में प्रदर्शन का पहल कई पायदान ऊपर जा चुका है। रेस कार से प्रेरित एक्सरियर और इंटीरियर लुक के साथ 5500 आरपीएम पर 120 पीस की पावर और 1750 से 4000 आरपीएम पर 170 एन्प्र का टॉक ऑल्ट्रोज का यह स्पोर्टी अवतार हर ड्राइव को ज्यादा उत्साह से भर देता है।

फीचर्स से भरपूर, रेसर 360 डिग्री कैमरा, 26.03 सेमी इफारेन्ट मेट टचस्क्रीन, वेन्टिलेटेड सीटों और 6 एयरबैग (रेसर में मानक) के साथ ऑल्ट्रोज का टॉप ऑफ लाइन वर्जन होगा। यह

6 स्पीड मैनूअल गियरबॉक्स के साथ वाली एकमात्र हैचबैक है जो शहर के ट्रैफिक और राजमार्गों पर पेपी ड्राइवर्सिली सुनिश्चित करती है।

एक हैचबैक में बेहतर तकनीक, फीचर्स और श्रेणी में अग्रणी सुरक्षा के साथ, ऑल्ट्रोज रेसर तीन वैरिएंट में तीन रंगों (प्लांटर ग्रे, एर्टोमिक ऑरेंज और एवेन्यू क्लाइट) के विकल्प के साथ समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किया है। इस सोलारी का उद्घाटन धारातीय फैकल्टी, छाँतों और शैक्षणिक द्वारा किये जाने वाले वैरिएंटों में अप्रोग्रेशन अनुसंधान और सामाजिक विकास को वास्तविक दर्दनाक बनाते हैं, जिन्हें विभिन्न उद्योगों में बेचा, इसलिए यह कियान्ति किया जा सके, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक मूल्य का सुनान हो और समाज को लाभ पहुंचे। वर्तमान में, भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक प्रतिशत से भी कम शोध में लगे हुए हैं। शोध और प्रयोगिक विकास

भारत में अनुसंधान के व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए वाधवानी फाउंडेशन, AICTE और अन्य शीर्ष संस्थानों ने किया समझौता

नई दिल्ली। एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, वाधवानी फाउंडेशन ने इनोवेशन के व्यावसायीकरण में तेजी लाने के लिए वाधवानी इनोवेशन नेटवर्क उत्कृष्ट केंद्र स्थापित करने के लिए एक्साइटीई, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर, आईआईटी हैरानबाद, आईआईएससी बैंगलोर और सी-कैम्प के साथ समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किया है। इस सोलारी का उद्घाटन धारातीय फैकल्टी, छाँतों और शैक्षणिक द्वारा किये जाने वाले वैरिएंटों में अप्रोग्रेशन अनुसंधान और प्रोग्रेशन को समाजीय विकास की ओर बढ़ावा देने के लिए एक्साइटीई, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर, आईआईटी हैरानबाद, आईआईएससी बैंगलोर और सी-कैम्प के साथ समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किया है। इस सोलारी का उद्घाटन धारातीय फैकल्टी, छाँतों और शैक्षणिक द्वारा किये जाने वाले वैरिएंटों में अप्रोग्रेशन अनुसंधान और सामाजिक विकास को वास्तविक दर्दनाक बनाते हैं, जिन्हें विभिन्न उद्योगों में बेचा, इसलिए यह कियान्ति किया जा सके, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक मूल्य का सुनान हो और समाज को लाभ पहुंचे। वर्तमान में, भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक प्रतिशत से भी कम शोध में लगे हुए हैं। शोध और प्रयोगिक विकास

में भारत के सकल खर्च में इनकी हिस्सेदारी केवल 9 प्रतिशत है। इसके परिणामस्वरूप, भारतीय विश्वविद्यालय बाजार-संचालित इनोवेशन अउटपुट में पैछे हैं।

WIN-COEs उन्हें व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य बनाने के लिए वित्तपोषण और विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान करेगा।

डॉ. अजय केला, प्रेसिडेंट और सी-कैम्प इनोवेशन नेटवर्क, ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने में इनोवेशन और अनुसंधान के अलावा, इस पहल के तहत एकाईइटीई, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर, आईआईटी हैरानबाद, आईआईएससी बैंगलोर और सी-कैम्प के साथ समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किया है। इस सोलारी का उद्घाटन धारातीय फैकल्टी, छाँतों और शैक्षणिक द्वारा किये जाने वाले वैरिएंटों में अप्रोग्रेशन अनुसंधान और प्रोग्रेशन को समाजीय विकास की ओर बढ़ावा देने के लिए एकाईइटीई, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर, आईआईटी हैरानबाद, आईआईएससी बैंगलोर और सी-कैम्प के साथ समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किया है। इस सोलारी का उद्घाटन धारातीय फैकल्टी, छाँतों और शैक्षणिक द्वारा किये जाने वाले वैरिएंटों में अप्रोग्रेशन अनुसंधान और सामाजिक विकास को वास्तविक दर्दनाक बनाते हैं, जिन्हें विभिन्न उद्योगों में बेचा, इसलिए यह कियान्ति किया जा सके, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक मूल्य का सुनान हो और समाज को लाभ पहुंचे। वर्तमान में, भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक प्रतिशत से भी कम शोध में लगे हुए हैं। शोध और प्रयोगिक विकास

लखनऊ, बुधवार, 12 जून, 2024

12

रीजेंसी हेल्थ के डॉक्टर्स ने दुर्लभ पेलिक ट्यूमर का किया सफल इलाज, मरीज को मिला नया जीवनदान

फरुखबाबाद। मरीजों की देखभाल और इनोवेशन के प्रति अपनी प्रतिवेदन के लिए प्रमिल प्रमुख स्वास्थ्य संगठन रीजेंसी हेल्थ ने हाल

उनकी बीमारी का समाधान हो पाया।

डॉ. अमिन्यु एक्साइटी, आईआईएससी बैंगलोर, और सी-कैम्प धारा स्थापित किए जाने वाले उच्कृष्ट केंद्रों के अलावा, इस पहल के तहत एकाईइटीई, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर, आईआईटी हैरानबाद, आईआईएससी बैंगलोर और सी-कैम्प के साथ समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किया है। इस सोलारी का उद्घाटन धारातीय फैकल्टी, छाँतों और शैक्षणिक द्वारा किये जाने वाले वैरिएंटों में अप्रोग्रेशन अनुसंधान और प्रोग्रेशन को समाजीय विकास की ओर बढ़ावा देने के लिए एकाईइटीई, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर, आईआईटी हैरानबाद, आईआईएससी बैंगलोर और सी-कैम्प के साथ समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किया है। इस सोलारी का उद्घाटन धारातीय फैकल्टी, छाँतों और शैक्षणिक द्वारा किये जाने वाले वैरिएंटों में अप्रोग्रेशन अनुसंधान और सामाजिक विकास को वास्तविक दर्दनाक बनाते हैं, जिन्हें विभिन्न उद्योगों में बेचा, इसलिए यह कियान्ति किया जा सके, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक मूल्य का सुनान हो और समाज को लाभ पहुंचे। वर्तमान में, भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक प्रतिशत से भी कम शोध में लगे हुए हैं। शोध और प्रयोगिक विकास

उक्ते अनुयोगों को बढ़ावा मिलेगा- जिससे भारत वैज्ञानिक अधिक प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा।

चार आईआईटी, आईआईएससी बैंगलोर, और सी-कैम्प धारा स्थापित किए जाने वाले उच्कृष्ट केंद्रों के अलावा, इस पहल के तहत एकाईइटीई, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर, आईआईटी हैरानबाद, आईआईएससी बैंगलोर और सी-कैम्प के साथ समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किया है। इस सोलारी का उद्घाटन धारातीय फैकल्टी, छाँतों और शैक्षणिक द्वारा किये जाने वाले वैरिएंटों में अप्रोग्रेशन अनुसंधान और सामाजिक विकास को वास्तविक दर्दनाक बनाते हैं, जिन्हें विभिन्न उद्योगों में बेचा, इसलिए यह कियान्ति किया जा सके, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक मूल्य का सुनान हो और समाज को लाभ पहुंचे। वर्तमान में, भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक प्रतिशत से भी कम शोध में लगे हुए हैं। शोध और प्रयोगिक विकास

उक्ते अनुयोगों को बढ़ावा मिलेगा- जिससे भारत वैज्ञानिक अधिक प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा।

चार आईआईटी, आईआईएससी बैंगलोर, और सी-कैम्प धारा स्थापित किए जाने वाले उच्कृष्ट केंद्रों के अलावा, इस पहल के तहत एकाईइटीई, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर, आईआईटी हैरानबाद, आईआईएससी बैंगलोर और सी-कैम्प के साथ समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किया है। इस सोलारी का उद्घाटन धारातीय फैकल्टी, छाँतों और शैक्षणिक द्वारा किये जाने वाले वैरिएंटों में अप्रोग्रेशन अनुसंधान और सामाजिक विकास को वास्तविक दर्दनाक बनाते हैं, जिन्हें विभिन्न उद्योगों में बेचा, इसलिए यह कियान्ति किया जा सके, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक मूल्य का सुनान हो और समाज को लाभ पहुंचे। वर्तमान में, भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक प्रतिशत से भी कम शोध में लगे हुए हैं। शोध और प्रयोगिक विकास

उक्ते अनुयोगों को बढ़ावा मिलेगा- जिससे भारत वैज्ञानिक अधिक प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा।

चार आईआईटी, आईआईएससी बैंगलोर, और सी-कैम्प धारा स्थापित किए जाने वाले उच्कृष्ट केंद्रों के अलावा, इस पहल के तहत एकाईइटीई, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर, आईआईटी हैरानबाद, आईआईएससी बैंगलोर और सी-कैम्प के साथ समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किया है। इस सोलारी का उद्घाटन धारातीय फैकल्टी, छाँतों और शैक्षणिक द्वारा किये जाने वाले वैरिएंटों में अप्रोग्रेशन अनुसंधान और सामाजिक विकास को वास्तविक दर्दनाक बनाते हैं, जिन्हें विभिन्न उद्योगों में बेचा, इसलिए यह कियान्ति किया जा सके, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक मूल्य का सुनान हो और समाज को लाभ पहुंचे। वर्तमान में, भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक प्रतिशत से भी कम शोध में लगे हुए हैं। शोध और प्रयोगिक विकास

उक्ते अनुयोगों को बढ़ावा मिलेगा- जिससे भारत वैज्ञानिक अधिक प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा।

चार आईआईटी, आईआईएससी बैंगलोर, औ

